INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: IX	Department: Hindi	Date – 30-10-2020
Worksheet No: 5	Topic: अर्थग्रहण	Note: Pl. file in portfolio

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए — **1x5=5**

पानी मानव की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है, यह जीवन का आधार है और विकास के लिए आवश्यक है। उम्मीदों पर पानी फिर जाए तो कुछ हद तक मनुष्य सहन कर सकता है परन्तु यदि पीने के लिए एक गिलास पानी के ही लाले पड़े हों, तो स्थिति असह्य हो जाती है। दुर्भाग्य से हमारे राज्य राजस्थान में ऐसी स्थिति आज भी देखने को मिल जाती है। बाड़मेर और जैसलमेर के दूरस्थ गाँवों में कहावत सुनाई देती है कि एक गिलास दूध मिल सकता है, पानी नहीं। यद्यपि स्थिति सर्वत्र इतनी गंभीर नहीं है, परन्तु यह एक कठोर सत्य है कि सिंचाई व पीने-योग्य पानी की समस्या आज की मुख्य समस्याओं में एक है। अत: बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस समस्या पर गहन विचार करना समीचीन जान पड़ता ह। राज्य में पानी के मुख्य स्रोत हैं - कुएँ, नहरें, झीलें, नदियाँ और तालाब। ये सभी एक ही आधार से जुड़े हैं, वह है वर्षा। वर्षा की कमी लगातार खटकने वाली समस्या है। अरावली के पश्चिम में स्थित राजस्थान के आधे से अधिव भाग में वार्षिक वर्षा 50 सेमी. से कम होती है जो अपर्याप्त है। राजस्थान का क्षेत्र तो देश का 10 प्रतिशत है परन्तु इसे पानी प्राप्त होता है केवल 1 प्रतिशत। अत: जल स्रोतों की भी अपनी सीमा है। बढ़तो जनसंख्या की बढ़ती माँग एवं वर्तमान आवश्यकता की पूर्ति दोनों के लिए जल नियोजन आवश्यक हो जाता है। कहा जाता है कि एक गिलास पानी पैदा करने की अपेक्षा एक गिलास बचाना बेहतर है। लेकिन पानी बचाना ही संरक्षण नहीं है अपितु इसका बुद्धिमत्तापूर्ण प्रयोग भी होना चाहिए। गन्दे और बेकार पानी को पुन: काम में लेने की विधियाँ खोजना भी जल संरक्षण में शामिल है।

(क) मानव के लिए क्या असहनीय है ?

(i) उसके जीवन का विकास (ii) पानी की कमी

(iii) उसकी मूलभूत आवश्यकताएँ (iv) उम्मीदों पर पानी फिरना

(ख) ''एक गिलास दूध मिल सकता है, पानी नहीं।'' पंक्ति का क्या आशय है —

(i) दूध की अधिकता (ii) दूध में पानी का अभाव

(iii) दूध और पानी की असमानता (iv) पानी की दुर्लभता

(ग) राजस्थान में पानी के स्रोतों का प्रमुख आधार है —

(i) कुएँ (ii) झीलें (iii) नहरें (iv) वर्षा

(घ) जल संरक्षण का अभिप्राय है —

(i) जल खोजना (ii) जल फैलाना

(iii) जल का प्रयोग करना (iv) जल को बचाना

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए।

(i) जल संचय (ii) जल नियोजन

(iii) जल आपूर्ति (iv) जल के स्रोत

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों के विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

भारत को गाँवों का देश कहा जाता है, क्योंकि देश की आबादी का 70 प्रतिशत भाग गाँवों में बसता है। देश में लगभग सात लाख छोटे - बड़े गाँव हैं। ग्रामीणों का मुख्य पेशा कृषि और उससे संबद्ध धंधे हैं। युगों से ये ग्रामीण अनपढ़, उपेक्षित और शोषित रहे हैं। इनके जीवन को लक्ष्य कर साहित्यकारों ने विविध प्रकार की रचनाएँ की हैं। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने ग्राम - जीवन को भी अत्यंत आह्लादकारी मानकर लिखा है, 'अहा, ग्राम जीवन भी कितना सुखदायी है, क्यों न किसी का मन चाहे।' उन्हें गाँव स्वर्ग - सा लगा, किंतु उन्हें गाँव की झोपड़ियों में पीड़ा का संसार नहीं दिखा। कविवर सुमित्रानंदन पंत ने गाँवों को ही भारत माता के रूप में देखा और कहा, 'भारत माता ग्रामवासिनी, मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी।' कविवर ने ग्रामीण जीवन को 'मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी' कहकर इंगित किया है कि ग्रामीण जीवन मिट्टी की प्रतिमा की तरह जड़ और उदासी से भरा हुआ है। हिंदी के यशस्वी कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु ने अपने उपन्यास 'मैला आंचल' में बिहार के एक गाँव का यथार्थ चित्र प्रस्तुत किया है और विस्तार से बताया है कि गाँव में जातिवाद, मठों - महंतों में चरित्रहीनता, धूर्तता, राजनीतिक उठापटक और अज्ञान का प्रसार चरम पर है।

(क) भारत को 'गाँवों का देश' कहा जाता है, क्योंकि -

(i) गाँवों का बोलबाला है।

(ii) अधिकांश भारतीय गाँवों में रहते हैं।

(iii) अधिकांश सांसद गाँवों से चुनकर आते हैं।

(iv) हमारे खाद्य पदार्थ गाँवों में उगाए जाते हैं।

(ख) ग्रामीणों का मुख्य व्यवसाय है -

(i) अध्यापन (ii) कृषि

(iii) कुटीर उद्योग (iv) पशु-चारण

(ग) किस साहित्यकार ने ग्राम्य - जीवन को स्वर्ग माना है ?

(i) सुमित्रानंदन पंत (ii) फणीश्वरनाथ रेणु

(iii) जयशंकर प्रसाद (iv) मैथिलीशरण गुप्त

(घ) गाँव को 'मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी' क्यों कहा गया है ?

(i) जड़ जीवन के कारण

(ii) आनंदहीन वातावरण के कारण

(iii) व्यस्त दिनचर्या के कारण

(iv) कठिन परिश्रम के कारण

(ङ) गाँव में चरम अवस्था पर है -

(i) समाजवाद और समानता

(ii) प्रेम और सौहार्द

(iii) जातिवाद और अज्ञानता

(iv) आनंद और मनोरंजन

उत्तर - गद्यांश - 1 (क) ii (ख) iv (ग) iv (घ) iv (ङ) ii

गद्यांश - 2 (क) ii (ख) ii (ग) iv (घ) i (ङ) iii